नगर विकास योजना का मूल्यांकन
वडोदरा

मार्च 2006

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

कोर 4 बी, भारत पर्यावास केन्द्र

लोदी रोड़, नई दिल्ली - 110003

किसी प्रकार की शंका होने पर कृपया सुश्री पारोमिता दत्ता डे से ई मेल से सम्पर्क करें (email:pdey@niua.org)

<u>नगर विकास योजना का मूल्यांकन - वडोदरा</u>

1. सामान्य टिप्पणी

नगर विकास योजना के विभिन्न खंडों को पूरे विस्तार तथा भावी सुधार की सिफारिशों के साथ प्रस्तुत किया गया है । सर्वप्रथम नगर विकास योजना (CDP) के बारे में रा.न.का.संस्थान की सामान्य टिप्पणी है, उसके बाद सेक्टरवार की विशेष टिप्पणी है ।

1.1 वडोदरा की नगर विकास योजना में जनांकिकी प्रोफाइल, आर्थिक विशेषताओं, वित्तीय प्रोफाइल, सेक्टरवार इन्फ्रास्ट्रक्चर आकलन तथा संस्थाई व्यवस्था और तदनंतर नगर संकल्पना तथा नगर विकास योजना के साथ वर्तमान स्थिति का विश्लेषण दिया गया है । सी.डी.पी. की कार्यात्मक समरी भी रिपोर्ट के साथ संलग्न है । सेक्टरवार शक्तता-अशक्तता-संयोग-दुर्योग विश्लेषण (स्वॉट एनालाइसिस) यानी गुण-दोष विवेचन भी किया गया है जो वर्तमान स्थिति को समझने में सहायक है ।

1.2 रिपोर्ट के अनुसार वडोदरा की कुल आबादी 2001 में 13.06 लाख थी । पृष्ठ 2-4 की तालिका से स्पष्ट होता है कि यह संख्या वडेदरा नगर निगम के लिये है । वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण क्षेत्र के बारे में आबादी नहीं दी गई है । वडोदरा का भावी निवेश पृष्ठ 8-97 तथा 8-98 पर है । तालिका 28 व 29 में वडोदरा नगर निगम व वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण क्षेत्रों की अलग-अलग योजनाओं का प्रस्ताव है । लेकिन वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण क्षेत्र की वर्तमान स्थितियों का कोई विश्लेषण नहीं किया गया है । इस प्राधिकरण क्षेत्र का नक्शा तथा उसके दायरे में समाहित आबादी और क्षेत्र का भी वर्णन नहीं है ।

वडोदरा नगर निगम

वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण के ब्यौरे अलग खंड पृष्ठ 4.33 पर खंड 4.13 तथा पृष्ठ 5.37 पर खंड 5.6 में हैं ।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान :
वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण के कार्यों की व्यापक चर्चा की गई है ।

1.3 जल आपूर्ति, सीवरेज, बरसाती जल निकासी नालों तथा कचरा निपटान की वृहत योजनाएँ अलग-अलग अवधियों में तैयार की गई हैं (देखिये पेज 428, 433, 434 तथा 449) । किन्तु इन योजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति नहीं बताई गई है । इन योजनाओं की कार्यान्वयन स्थिति बताई जाए तथा यह स्पष्ट किया जाना चाहिये कि वर्तमान समस्याओं के समाधान हेतु इन योजनाओं में क्या-क्या किया गया । इन वृहत योजनाओं के लिये धन के स्रोत भी बताये जाएँ ।

वडोदरा नगर निगम :

बृहत योजना ब्यौरों से संबंधित खंड में ब्यौरा-स्तर-यथा वृहत योजना के अन्तर्गत कार्यान्वयन के लिये प्रस्तावित निर्माण कार्यों के लिये अपेक्षित कुल निवेश राशि का उल्लेख है । इसका आगे प्रत्येक सेवा के प्रसंग में रिपोर्ट के खंडों में पृष्ठ संख्या वार उल्लेख है ।

1.4 संलग्न मानचित्रों का शीर्षक "नगर विकास कार्यनीतियाँ : वडोदरा" है । इसे `नगर विकास योजना - वडोदरा' में बदला जाये । पृष्ठ 2-5, के बाद संलग्न आधार मानचित्र मे दो शहरी सीमाएं दर्शाई गयी हैं - एक 2002 तक वडोदरा नगर निगम हेतु तथा दूसरा वडोदरा नगर निगम की सीमा क्षेत्र हेतु। क्या इसका आशय यह है कि वडोदरा नगर निगम की तिथि रहित सीमा अभी हाल की बात है ? यदि हाँ तो इस सीमा के निर्धारण के वर्ष का भी उल्लेख किया जाए । वडोदरा शहरी बस्ती के विस्तार को भी दर्शाया जाए । इससे शहर के प्रभाव क्षेत्र को समझने तथा भावी विकास की दिशाओं के निर्धारण में मदद मिलेगी ।

वडोदरा नगर निगम :

सभी मानचित्रों के शीर्षक बदलकर नगर विकास योजना वडोदरा कर दिये हैं ।

वडोदरा की सीमा सन 2002 में बदली गई थी । इसलिए दो सीमाएं दिखायी गई हैं । सभी मानचित्रों में सीमा निर्धारण के वर्ष भी दिये गये हैं ।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान :

संशोधन के बाद उपर्युक्त मानचित्र स्पष्ट है ।

1.5 बुनियादी सुविधातंत्र यथा जल आपूर्ति, सीवरेज, कचरा निपटान, सड़क विकास आदि के परिचालन बाबत धन व्यवस्था स्कीमों और कार्यक्रमों का उल्लेख नहीं है तथा प्रत्येक सेवा के बारे में उपलब्ध धन की वर्तमान मात्रा का भी उल्लेख नहीं है ।

वडोदरा नगर निगम

धन की व्यवस्था शहरी कायाकल्प अभियान के दिशा निर्देशों के आधार पर होगी, तथा मास्टर प्लानों के अन्तर्गत पहले शुरू किये कार्यों के लिये धन का प्रबन्ध वडोदरा नगर निगम के निजी राजस्व स्रोतों से किया गया था । मास्टर प्लान ब्यौरों के तहत प्रत्येक सेवा खंड में कार्य की मात्रा का भी उल्लेख है ।

रा.न.कार्य संस्थान

चर्चा के बाद यह स्पष्ट किया गया कि वृहत योजनाओं को आधार बनाया गया है तथा जहां तक प्रस्तावित परियोजनाओं का संबंध है, तो उनकी कोई पुनरावृत्ति नहीं है ।

1.6 शहरी गरीब के लिये कोई एकमुश्त योजना नहीं पेश की गई है ।

- o रिपोर्ट के पृष्ठ 2-7 पर कहा गया है कि "वडोदरा की शहरी स्लम बस्तियों में शहरी बुनियादी सेवाओं का सर्वे किया गया था जिसमें 96,000 परिवारों की गणना की गई थी जिसमें से 2.8 लाख परिवार गरीबी रेखा के थे अर्थात इन परिवारों में से प्रत्येक परिवार की आय 373 रूपये मासिक थी । दूसरे शब्दों में जाहिर है कि वडोदरा की 36 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे निवास करती है" । इस संख्या के स्रोत और आधार वर्ष का स्पष्ट उल्लेख किये जाने चाहिये ।

वडोदरा नगर निगम

सूचना का स्रोत वडोदरा नगर निगम है जो वर्ष 2000 में ली गई थी । सेवा कृत सर्वे हाल ही में वर्ष 2006 में किया गया था ।

- पृष्ठ 6-67 पर लिखा है कि स्लम आबादी शहर की कुल आबादी का 25 प्रतिशत (अर्थात 2.57 लाख) है । इस सूचना के स्रोत का कोई उल्लेख नहीं है । इससे यह जाहिर नहीं होता है कि कौन सा विवरण सही व भरोसेमंद है और क्यों ?

वडोदरा नगर निगम

*सूचना का स्रोत नगर निगम है । स्लमों के बारे में अन्य सूचना स्रोत **सेवा** द्वारा किये गये ताजा सर्वे का है । इसका ब्यौरा रिपोर्ट में स्लम खंड में दिया गया है (देखिये खंड 4.10 पृष्ठ 4-29) ।*

- *रिपोर्ट में कहा गया है कि वडोदरा के लिये भावी प्रगति के रूप में समुचित सफाई सुविधायें प्रदान करके गरीब के जीवनस्तर में सुधार करना भी एक संकल्पना है । (पृष्ठ 6-68 खंड 6.3.3) लेकिन स्लम क्षेत्रों में सफाई सुविधाओं की वर्तमान स्थिति के बारे में कोई उल्लेख नहीं है ।*

वडोदरा नगर निगम - रिपोर्ट में एक खंड जोड़ा गया है (देखिये खंड 4.10 पृष्ठ 4-27)

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

इस खंड में ***सेवा*** द्वारा किये गये सर्वे के निष्कर्ष प्रस्तुत किये गये हैं । विश्लेषण में आधार सुविधा ढांचे की स्थिति तथा न्यूनताओं का पूरा उल्लेख किया गया है ।

2. वर्तमान स्थिति

2.1 जल आपूर्ति

वडोदरा शहर में जल आपूर्ति का मुख्य स्त्रोत जमीनी (धरातलीय) जल है, जो उत्तर पूर्व में सायाजी सरोवर तथा उत्तर पश्चिम में माही नदी से आता है (देखिये पृष्ठ 4-25 तालिका 13 - जल आपूर्ति का स्त्रोत और मात्रा) । रिपोर्ट के अनुसार वडोदरा नगर निगम सीमाओं के अंतर्गत नलकूप हैं । इन्हें स्थानीय इलाकों में जल की कमी के दौरान चलाया जाता है । कुल मिलाकर 56 नलकूप खोदे गए हैं । लेकिन इन नलकूपों से भूमिगत जल की निकासी की बारंबारता और मात्रा का उल्लेख नहीं है । आगे जमीनी जल संकट के समय भूमिगत जल स्त्रोतों पर निर्भरता को समझने के लिये उसे भूमिगत जल पट्टी बाबत सूचना से संबद्व किये जाने की जरूरत है । भूमिगत जल पट्टी के आंकड़ों और विश्लेषण का उस जल की निकासी और शोधन के आंकड़ों के साथ तुलना करने पर इस सूचना की पुष्टि हो जाएगी । अगर भूमिगत जल का अत्यधिक दोहन है तो उसे भूमिगत जल का कृत्रिम पुनर्भरण करके सीमित किया जा सकता है । नगर विकास योजना में यह नहीं बताया गया है इस बारे में पहले कोई प्रयास किये गये थे अथवा नहीं ।

वडोदरा नगर निगम

देखिये सी.डी.पी का खंड 4.1 पृष्ठ 4-13 .

वडोदरा नगर निगम क्षेत्र में नलकूप जल के वैकल्पिक स्त्रोत हैं । इन नलकूपों से पानी निकालकर सीधे वितरण पाइपों में डाला जाता है । क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार, नलकूप 1 से लेकर 18 घंटे तक रोजाना चलाये जाते हैं । पम्पों की क्षमता तथा उनके चालन घंटों के आधार पर लगभग 46 नलकूपों से करीब 10 मिलियन लीटर पानी की दैनिक सप्लाई होती होगी । ये नलकूप उन क्षेत्रों में है जहाँ दबाव के चलते जल की सामान्य आपूर्ति नहीं हो पाती । इन नलकूपों से पानी की कम निकासी का भूमिगत जल स्तर और शहर पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ता । शहर में औसत जल स्तर करीब 20 मीटर की गहराई पर है तथा उत्तर में सदाबहार नदियों के कारण इस जलस्तर में पानी का लगातार भरण-पोषण होता रहता है । इन नलकूपों के अलावा माही नदी जलग्रहण क्षेत्र और तटों के आसपास 56 नलकूपों और खोदे जा रहे हैं । इनमें से नदी तट के 40 नलकूपों में जल डुबान/टरबाइन पम्प पहले ही लगाए जा चुके हैं और वे चालू हालात में हैं । इन नलकूपों को जमीनी पानी की कमी होने पर चलाया

जाता है । इन नलकूपों की मदद से, वडोदरा नगर निगम पिछले कुछ वर्षों से, खासतौर पर सूखे के दौरान आसन्न, जल संकट से बखूबी निपट रहा है ।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

संशोधित नगर विकास योजना में इस व्याख्यात्मक टिप्पणी से जाहिर है कि भूमिगत पानी शहर की जल आपूर्ति का वैकल्पिक स्रोत है और उसे आपात स्थिति में अपनाया जा रहा है । भूमिगत जल का स्तर नीचा नहीं है तथा भूमिगत जल का अति दोहन कोई समस्या नहीं है ।

शहर में दो जल शोधन संयत्र हैं जिनकी क्षमता क्रमशः 45 मिलियन लीटर तथा 50 मिलियन लीटर दैनिक है । रिपोर्ट के पृष्ठ 4-26 पर लिखा है कि,"जल शोधन क्षमता की अपर्याप्त के कारण इन संयत्रों का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है । जलशोधन संयत्रों की उपयोग क्षमता 279 प्रतिशत है"। यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसा कैसे किया जा रहा है; जबकि सामान्यतः शोधन संयंत्रों पर 10 प्रतिशत तक ही अधिक भार डालने की अनुमति होती है ।

वडोदरा नगर निगम

देखिये खंड 4.1.1, पृष्ठ 4-13
शोधन संयत्रों की क्षमता का उपयोग 73 प्रतिशत है ।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

चर्चा के बाद यह स्पष्ट हुआ कि वस्तुतः शोधन संयंत्रों की क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं होता है। रिपोर्ट में इस त्रुटि को सुधार दिया गया है ।

पृष्ठ 4-26 पर जल आपूर्ति संबधी समस्याओं पर चर्चा है । उसी पृष्ठ पर तालिका में वर्ष 2008 से 2018 के बीच पानी की भावी मांग तथा पूर्ति के बीच अंतर दर्शाया गया है । लेकिन आंकड़े नहीं दिए गये हैं।

पानी की प्रति व्यक्ति मांग और पूर्ति का अंतर वर्ष 2008, 2013 और 2018 के लिये दर्शाया गया है । लेकिन उन वर्षों के जनसंख्या अनुमान नहीं दिये गये हैं । ऐसी स्थिति में यह जाहिर नहीं होता कि जल आपूर्ति के आंकड़ें कैसे तैयार किये गये। उपर्युक्त विरोधाभासों को दूर किया जाए । जल की आपूर्ति तथा वर्ष 2008, 2011, 2013 और 2018 की मांग और पूर्ति के बीच सम्भावित अंतर भी दर्शाया जाये ।

वडोदरा नगर निगम देखिए खंड 4.1.3, पृष्ठ 4-14

वर्ष	पुराने सीमा क्षेत्रों (क्षेत्रफल 108.26 वर्ग कि.मी.) की आबादी	नए सीमा क्षेत्र (क्षेत्रफल 40.74 वर्ग कि.मी.) की आबादी	ज्यामितीय या रेखीय	बहुरेखीय	वडोदरा नगर निगम आबादी (औसत)	पानी की मांग (मिली.लीटर दैनिक)
2001	1305546	61323				
2005	1512522		1671711	1592818	1632264	-
2008	1659328	140268	1865992	1733199	1799596	310-325
2010	1758814	154217	1995512	1830550	1913031	-
2013	1910466	175541	2189793	1982220	2086006	355-375

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

खंड 4.3.1 (पेज 4-14) के उल्लेख के अनुसार इस समय 8 मिलियन लीटर पानी की दैनिक कमी है और जो और घट सकती है । अगर पानी की मात्रा बढ़ाने के उपाय नहीं किए गए तो न केवल अस्वास्थ्यकर हालात पैदा होंगें बल्कि महामारी और जलजनित बीमारियाँ भी पैदा हो जाएंगी ।

आधार ढांचे की स्थिति तालिका 23 पृष्ठ 4-57 पर है । पानी आपूर्ति की स्थापित क्षमता 308 मिलियन लीटर दैनिक है तथा वितरण 250 लीटर प्रति व्यक्ति दैनिक बताया गया है । प्रति व्यक्ति आपूर्ति 180 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन है । पृष्ठ 2-4 के अनुसार, 2005 की अनुमानित आबादी 14-69 लाख है तथा कुल वर्तमान जल आपूर्ति 240 मिलियन लीटर - 270 मिलियन लीटर दैनिक है (पृष्ठ 4-25) । अतः, प्रति व्यक्ति जल आपूर्ति 163-183 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन होनी चाहिए । इन आंकड़ों के बारे में पृष्ठ 4-53 पर `आधार ढांचे की स्थिति' तालिका के साथ व्याख्यात्मक टिप्पणी दी जाए ।

वडोदरा नगर निगम

तालिका 24 पृष्ठ 4-32 देखें । इसमें एक व्याख्या टिप्पणी भी दी गई है ।

स्थापित क्षमता 240-270 मिलियन लीटर दैनिक तथा वितरण 250 मिलियन लीटर दैनिक है ।

व्याख्या टिप्पणीः स्थापित क्षमता में करीब 10 प्रतिशत का अंतर पानी छोड़े जाने में अंतर के कारण है, जो नदियों और नलकूपों में जल स्तर में बड़े मौसमी घट-बढ़ से होता है। स्थापित क्षमता और आपूर्ति में अंतर स्रोत से जल छोड़े जाने पर प्रतिबंध के कारण तथा नदी तलहटी में कुछ नलकूपों के चालू न होने के कारण है।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थानः

व्याख्या टिप्पणी सी.डी.पी. में जोड़ दी गई है ।

जल सप्लाई सेक्टर के लिए किये गए शक्तता-अशक्तता-संयोग-दुर्योग (स्वॉट) विश्लेषण (पेज 4-28) के अनुसार वर्ष 2018 के लिये जल आपूर्ति का एक मास्टर प्लान तैयार किया गया है । पेज 115 पर अनुलग्नक VII में जल आपूर्ति प्रणाली के लिये वित्तीय जरूरत का उल्लेख है । यह स्पष्ट किया जाए कि यहाँ प्रस्तावित कार्यकलाप वही हैं जो संदर्भगत मास्टर प्लान में हैं । यदि हाँ तो कृपया बताया जाये कि नगर निगम ने शहरी कायाकल्प मिशन से भिन्न स्रोतों से भी क्या धन की माँग की है?

वडोदरा नगर निगम

देखिए पृष्ठ 4-13
जल आपूर्ति का मास्टर प्लान अभी हाल में यानी वर्ष 2004-05 में तैयार किया गया था । इस प्लान के मुख्य शीर्ष इस प्रकार हैं :-

- *जल आपूर्ति नेटवर्क को मजबूत करना*
- *नया नेटवर्क सुलभ करना तथा*
- *नये भण्डारण जलाशयों की व्यवस्था करना*

परामर्शदाताओं द्वारा बताई गई प्राथमिकता के आधार पर नगर निगम ने 19.88 करोड़ रूपये की कुल अनुमानित लागत से निम्नलिखित परियोजनाएँ शुरू की हैं । इसमें वर्तमान नेटवर्क को मजबूत करना/नये नेटवर्क स्थापित करना शामिल है । वर्ष 2018 तक नगर के विकास की अनुपूर्ति में नेटवर्क की मजबूती से संबंधित अन्य सभी निर्माण कार्यों तथा नये जलाशयों के निर्माण पर नगर विकास योजना में विचार किया गया है ।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

उपर्युक्त व्याख्या सी.डी.पी. में जोड़े जाने से अब भ्रम की स्थिति दूर हो गई है ।

2.2 सीवरेज (अपजल निकासी) प्रणाली

इस शहर में सीवरेज प्रणाली हेतु तीन प्रवाह जोन हैं जो प्राकृतिक स्थलाकृति पर आधारित हैं और प्रत्येक जोन में एक-एक अपजल (सीवेज) शोधन संयत्र है । इन संयत्रों की क्षमता पृष्ठ 4-31 तथा 4-32 पर तालिका 16 में है । लेकिन नगर में कुल सीवेज उत्पादन तथा कुल सीवेज शोधन की मात्रा के बारे में कोई आंकड़ें/विश्लेषण नहीं है ।

वडोदरा नगर निगम
देखिए खंड 4.2.1, पेज 4-15

वडोदरा शहर में 215 मिलियन लीटर दैनिक सीवरेज (अपजल) उत्पन्न होता है जिसमें से केवल 180 मिलियन लीटर दैनिक सीवरेज का शोधन होता है । वैसे इन संयत्रों की शोधन क्षमता 215 मिलियन लीटर दैनिक है, लेकिन सीवरेज के संयत्रों तक न पहुंचने से क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पाता । यह बात इस तथ्य से भी प्रमाणित होती है कि वडोदरा नगर निगम के 40 प्रतिशत क्षेत्र में सीवरेज नेटवर्क नहीं है ।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान
दी गई सूचना को सी.डी.पी. में शामिल कर दिया गया है और उससे प्रस्तावित सुधारों तथा मांगी गई राशि का औचित्य प्रमाणित होता है ।

पेज 4-33 पर रिपोर्ट में लिखा है कि पूरे शहर में सीवरेज नेटवर्क नहीं है लेकिन पेज 4-31 और 4-32 के नक्शे में तीन सीवरेज जोन दिखाये गये हैं । जिससे असलियत पता नहीं चलती क्योंकि नक्शे में सीवरेज नेटवर्क भलीभांति रेखांकित नहीं है । अतः यह जाहिर नहीं होता कि शहर का कौन सा हिस्सा नेटवर्क के अंतर्गत नहीं है ।

पेज 4-33 पर बताया गया है कि 40 प्रतिशत नगर निगम क्षेत्र में सीवरेज सुविधा नहीं है । यह जानकारी पूरक और सुसंगत रूप से दी जाए ।

वडोदरा नगर निगम
देखें खंड 4.2.1, पेज 4.15
अधिक क्षमता के बावजूद उसका पूरा उपयोग नहीं होता है क्योंकि नगर निगम क्षेत्र के 40 प्रतिशत हिस्से में सीवरेज सुविधा नहीं है ।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान
प्रदत्त सूचना भरोसेमंद प्रतीत होती है ।

रिपोर्ट में आगे लिखा है कि सीवरेज पाईप पुराने हो गये हैं और अपर्याप्त हैं । पुराने बड़े नाले भी बैठने वाले हैं । वर्ष 1997 के सीवरेज मास्टर प्लान में इस समस्या का पता चला था और कहा गया था कि 2021 तक इन पाइपों और नालों को सुधारा जाना जरूरी होगा । (देखिए पेज 4-33)। इस मास्टर प्लान के कार्यान्वयन की स्थिति बताई जाए तभी तस्वीर साफ होगी ।

वडोदरा नगर निगम
देखिये खंड 4.2 पेज 4-15
नगर निगम द्वारा 1999 में तैयार सीवरेज मास्टर प्लान का पूरा कार्यान्वय नहीं हुआ है । निगम ने समय-समय पर धन मिलने पर और प्राथमिकताओं के अनुसार कुछ क्षेत्रों में सीवरेज का विस्तार किया है । मास्टर प्लान के मुख्य घटक इस प्रकार हैं :-

- *सीवरेज नेटवर्क को मजबूत करना ।*
- *नया नेटवर्क स्थापित करना तथा*

- *नये सीवरेज पम्पघर और पम्प नाले स्थापित करना ।*
- *नया सीवरेज शोधन संयत्र स्थापित करना ।*

परामर्शदाताओं की प्राथमिकता के आधार पर नगर निगम ने करीब 70 करोड़ रूपये की परियोजना शुरू करके पूरी कर दी है जिसमें प्रेशर लाइन, गुरूत्व (ग्रेविटी) नाले आदि शामिल हैं। गंभीर समस्या यह है कि अभी भी अशोधित दूषित पानी (सीवेज) नदी में छोड़ा जा रहा है, जिससे मेनहोल लबालब भरे होते हैं, इस समस्या को शहरी कायाकल्प अभियान में प्रस्तावित परियोजनाओं के पूरा होने पर ही हल किया जा सकता है ।

कुछ चालू परियोजनाएँ हैं -डभोई सड़क के साथ-साथ और अमीत नगर के पास नाले की खुदाई । इस परियोजना की लागत 25.5 करोड़ रूपये है और नगर निगम यह राशि अपने पास से दे रहा है तथा इसे केन्दीय शहरी कायाकल्प अभियान में प्रस्तावित नहीं किया गया है।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

उपर्युक्त स्पष्टीकरण चर्चा के बाद रिपोर्ट में शामिल कर लिया है ।

2.3 बरसाती पानी के नाले

जाम्बुवा, विश्वामित्री और कांस नदियों का नेटवर्क वडोदरा शहर में बरसाती पानी की निकासी का जरिया हैं । सी.डी.पी. के अनुसार नगर निगम ने 1984 में बरसाती पानी की निकासी के लिए मास्टर प्लान बनाया था लेकिन धन की उपलब्धता और प्राथमिकता के आधार पर केवल कुछ नालों का ही निर्माण हो सका । इस मास्टर प्लान की अवधि, स्थिति और कार्यान्वयन की स्थिति भी बताई जाये ।

वडोदरा नगर निगम

देखिए खंड 4.3, पेज 4-17

वडोदरा नगर निगम ने 1996 में बरसाती पानी की निकासी की एक बड़ी योजना बनाई थी । इसे क्रमशः कार्यन्वयन प्रोग्राम के अनुसार तैयार किया गया था लेकिन प्राथमिकता और धन की प्राप्ति के आधार पर केवल कुछ ही नालों का निर्माण हुआ । इस योजना के लिए 116 करोड़ रूपये की जरूरत थी लेकिन नगर निगम अपने पास सुलभ केवल 15 करोड़ रूपये यानी मास्टर योजना की केवल 10 प्रतिशत राशि ही निर्माण कार्य के लिये दे सका । फलतः बरसाती पानी के नाले बनाने में अधिक प्रगति नहीं हुई । नक्शे में वर्तमान बरसाती नालों और जलभराव क्षेत्रों का चित्रण है । शहरी कायाकल्प अभियान के लिए प्रस्तावित परियोजनायें नक्शे में प्रदर्शित उन जल भराव क्षेत्रों के उद्धार के लिए हैं । निवेश प्राथमिकता से भी यह जाहिर है कि बरसाती पानी की निकासी को नीचे स्तर की प्राथमिकता दी गई है ।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

चर्चा के बाद उपर्युक्त खंड रिपोर्ट में शामिल कर लिया गया है । जलभराव क्षेत्रों के अतिरिक्त नक्शे भी रिपोर्ट में शामिल किये गये हैं, जो वर्तमान यथास्थिति दर्शाते हैं । अब मास्टर प्लान की बाबत जानकारी समूचे खंड की व्यापक स्थिति दर्शाती है ।

2.4 कचरा निपटान व्यवस्था

शहर में प्रति व्यक्ति कचरा उत्पादन के बारे में कोई जानकारी । विश्लेषण नहीं है । रिपोर्ट में कचरा संग्रह दक्षता 85 प्रतिशत दिखायी गई है । लेकिन यह उल्लेख नहीं है कि कचरा संग्रह महीने में कितनी बार किया जाता है यानी शहर के विभिन्न भागों से कितनी बार कूड़ा कचरा उठाया जाता है ।

वडोदरा नगर निगम
देखिये खंड 4.5.1, पेज 4-19
कचरा कूड़ेदानों में रोज इकट्ठा किया जाता है, लेकिन नगर निगम द्वारा सामान्यतः कुल करीब 85 प्रतिशत कचरा उठाया जाता है ।

पेज 4-46 पर खंड 4.5.2 के शीर्षक " कचरा संश्लेषण" का उल्लेख है लेकिन उसका अवक्रमित और जैव अवक्रमित कचरे के रूप में वर्गीकरण नहीं है । यह कचरा भू-भराव स्थल पर डाला जाता है । शहर में एक ही भू-भराव स्थल है । ब्यौरों से ऐसा जाहिर होता है कि ये भराव स्थल अभियांत्रिक नहीं है ।

वडोदरा नगर निगम
देखिये खंड 4.5.1, पेज 4-19
संग्रहीत कचरे में जैविक व अजैविक पदार्थ और अन्य प्रकार का कचरा शामिल है ।
वडोदरा में अलग-अलग स्थलों यानी उत्पति, संग्रह, कूड़ेदान तथा भराव स्थलों पर औसत कचरा संश्लेषण इस प्रकार है :-

क्रम सं.	**कचरा की किस्म**	**प्रतिशत**		
		उत्पादन स्त्रोत	**कूड़ादान**	**भराव स्थल**
1.	कागज	8.49	5.75	4.5
2.	प्लास्टिक	5.33	4.93	13.4
3.	सीसा	0.01	1.54	0
4.	धातु	0.84	2.03	0
5.	जैविक पदार्थ	76.80	52.17	35
6.	अजैविक पदार्थ	8.53	33.58	47.1
कुल		100	100	100

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान : उपर्युक्त खंड रिपोर्ट में जोड़ दिया गया है।

रिपोर्ट में शक्तता-अशक्तता-संयोग-दुर्योग (स्वॉट) विश्लेषण (पेज 4-49) के अनुसार कचरा निपटान का मास्टर प्लान तैयार है। उसकी खास बातें भी बतायी जायें। यह भी स्पष्ट किया जाए कि कचरा निपटान के लिए जिस योजना का प्रस्ताव है (अनुलग्नक XIV), क्या यह वही है जो उपर्युक्त मास्टर प्लान में है।

वडोदरा नगर निगम :

देखिये खंड 4.5, पेज 4-19

वर्ष 2005 से पहले की अवधि हेतु कोई मास्टर प्लान नहीं था। शहरी कायाकल्प अभियान के लिए तैयारी के भागस्वरूप, 2005 की दूसरी छमाही में वडोदरा नगर निगम ने कचरा निपटान के लिए एक मास्टर प्लान तैयार किया, जो 2006 से 2011 की अवधि के लिए था। लेकिन अब तक इस मास्टर प्लान का कोई कार्यान्वयन नहीं हुआ है और इसलिए इस मास्टर प्लान को शहरी कायाकल्प अभियान में शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान :

उपर्युक्त खंड चर्चा के बाद रिपोर्ट में जोड़ा गया।

2.5 वित्तीय प्रोफाइल

वडोदरा नगर निगम के पास खर्च की तुलना में राजस्व आय अधिक है। कुल राजस्व खाता प्राप्तियां वर्ष 2001-2002 तथा 2004-2005 के बीच सी.ए.जी. रिपोर्ट पर 10 प्रतिशत बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार नगर निगम की राजस्व स्थिति 2001-02 में 243 लाख रू0 के घाटे से बदल कर वर्ष 2004-05 में 4,371 लाख रू0 के लाभ में पहुंच गई है (पृष्ठ 3-18) । कर आय में चुंगी का हिस्सा करीब 72 प्रतिशत है (पृष्ठ 3-14) । वित्तीय प्रोफाइल खंड 3.4 में पृष्ठ 3-23 पर भली भांति दर्शायी गई है।

3. भावी संकल्पना

3.1 सामान्य :

वडोदरा की भावी संकल्पना एक जीवंत और सर्वतोमुखी, पाक-साफ और स्वप्निल, चहल-पहल, पूर्ण आर्थिक शहर के रूप में की गयी है। अतीत में वडोदरा ने आर्थिक मंदी व औद्योगिक विकास की दर में गिरावट का दौर झेला था। यह शहर अब इस गिरावट से उभरना चाहता है। रिपोर्ट के अनुसार भावी संकल्पना से आर्थिक अवसर तथा जीवन की गुणवत्ता में संतुलन सुनिश्चित होगा। आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए,शहर का प्रस्ताव सूचना प्रौद्योगिकी, बायो-टेक्नोलोजी तथा फार्मास्युटिकल्स, मेडीकल या हेल्थ टूरिज्म आदि सेक्टरों के विकास को बढ़ावा देना है। इनका रिपोर्ट में भली भांति प्रतिपादन किया गया है (देखिए पृष्ठ 6.64)।

जीवन की गुणवत्ता में सुधार के संदर्भ में शहर की भावी संकल्पना है कि भौतिक आधार ढांचे में सुधार किया जाए। प्रत्येक सेक्टर के प्रसंग में नागरिकों के बीच उनके अधिक कवरेज तथा उन्नत दक्षता पर जोर दिया गया है। सेक्टर्स-वार भावी संकल्पना के विवरण इस प्रकार हैं (पृष्ठ 6-68 से 6-73) :

- सभी के लिए जल आपूर्ति का दायरा बढ़ाना
- शहरी गरीबों को समुचित सफाई सुविधाएं उपलब्ध कराके उनके जीवन स्तर में सुधार करना।
- कचरा निपटान को वर्ष 2011 तक अधिक सुरक्षित और वैज्ञानिक बनाना ।
- शहर को भावी बाढ़ों से बचाने के लिए वडोदरा में बरसाती पानी की निकासी व्यवस्था को मजबूत बनाना।
- सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए अच्छी सड़कों तथा पूर्ण मार्गाधिकार का विकास करना।
- नगरवासियों के लिए सुरक्षित जीवन की व्यवस्था करना तथा बार-बार के बाढ़-नुकसान की रोकथाम के कार्यक्रम आरंभ करना।

सेवाओं के प्राथमिकताकरण के बारे में नागरिकों की राय पृष्ठ 6-66 पर समेकित रूप में दी गई है। कुल 8 पहचान शलाकाएँ (बार) हैं, जो 1 से 8 के बीच में है। इन संख्याओं का क्या मतलब है। क्या ये विभिन्न क्षेत्रों में आबादी के विभिन्न नमूनें हैं ? ऐसा प्रतीत होता है कि एन.आर. (नान रेसपांडेंट) नामक शलाका क्या समूचे शहर के लिए हैं, यदि हां तो सभी नागरिक ये महसूस करेंगें कि वे समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, तब इस हेतु पुराने शहर के सामाजिक तान-बाने और विकास पर अपेक्षाकृत अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए।

वडोदरा नगर निगम :

देखिये पृष्ठ 6-43

रेखाचित्र में वडोदरा शहर के नागरिकों द्वारा तय सेवाओं का प्राथमिकताक्रम दिया गया है। 'वायी' (Y) धुरी पर सर्वेगत लोगों का प्रतिशत है, एक्स (X) धुरी पर सेवाओं की रेटिंग है। कुछ लोगों ने कुछ सेवाओं की रेटिंग से अपने को अलग रखा है। अतः उस विशिष्ट सेवा के लिये उनको गैर-प्रतिवादी-नॉन-रेसपोंडेंट (एन आर) कहा गया है।

पृष्ठ 6.64 पर बाद के चार्ट में भी समग्र रेटिंग दी गई है। स्लमों से संकलित नमूनों के बारे में अलग से विश्लेषण किया गया है।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान :

उपर्युक्त स्पष्टीकरण चर्चा के बाद रिपोर्ट में शामिल कर लिया गया है।

जल आपूर्ति क्षेत्र बाबत भावी संकल्पना के अंगस्वरूप, शहर का इरादा चौबीसों घंटे जल आपूर्ति के लिस पायलट परियोजना शुरू करने का है (पृष्ठ 6-68) । इस परियोजना की साध्यता का पता लगाया जाना जरूरी है, क्योंकि यह परियोजना अपेक्षाकृत महत्वाकांक्षी प्रतीत होती है।

वडोदरा नगर निगम :
देखिये खंड 6.3.3, पृष्ठ 6-45
किसी औद्योगिक क्षेत्र को पूर्ण लागत वसूली आधार पर 24 x 7 आधार पर जल आपूर्ति का एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करना।

3.2 नगर निवेश योजना तथा वित्तीय नीतियां

पाँच वर्षों की अवधि (2006 से 2011) के दौरान दो पूँजी निवेश योजनाएं प्रस्तुत की गई हैं। एक वडोदरा के नगर निगम क्षेत्र के लिए (तालिका 28, पृष्ठ 8-97) तथा दूसरी शहरी विकास प्राधिकरण क्षेत्र के लिए (तालिका 29, पृष्ठ 8-98)। लेकिन सभी सेक्टरों के बारे में वर्तमान स्थिति का जो विश्लेषण पेश किया गया है वह केवल वडोदरा नगर निगम क्षेत्र के लिए ही है जिसका पहले उल्लेख किया जा चुका है। शामिल सेक्टरों में से (देखें पृष्ठ 8-97 तथा 8-98) एक सेक्टर स्लम सुधार का है। लेकिन इस रिपोर्ट में शहरी गरीब/स्लमों की वर्तमान स्थिति का कोई विश्लेषण नहीं दिया गया है। यह विश्लेषण मांगे गए धन के औचित्य के लिए आवश्यक है।

वडोदरा नगर निगम :
देखिये खंड 4.10, पृष्ठ 4-27 तथा खंड 8.2.8, पृष्ठ 8-76
स्लम और शहरी गरीबों बाबत एक खंड जोड़ा गया है। पृष्ठ 8-76 पर जो खंड है उसमें धन की माँग का औचित्य दिया गया है तथा यह बताया गया है कि इस धन का कैसे उपयोग किया जाएगा। अनुलग्नक IV का निवेश का प्रावस्था क्रम भी लाभार्थियों के ब्यौरे बताता है।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान :

प्रत्येक सेक्टर के अंतर्गत शहरी गरीबों के लिए अपेक्षित पूँजी निवेश एक उपघटक के रूप में दिया गया है।

पूँजी निवेश योजना के अनुसार निवेश राशियों का जो प्रावस्था क्रम है वह अवधि के अनुसार है। लेकिन धन की प्राथमिकता क्रम को भली भांति नहीं दर्शाया गया है। कुल अपेक्षित निवेश राशि 1641.77 करोड़ रू0 है। प्रत्येक सेक्टर के लिए प्रतिशत-वार कुल अपेक्षित आंकड़े इस प्रकार होंगे:

तालिका 1 - विभिन्न सेक्टरों के लिये अपेक्षित धन (2006-2011)

सेक्टर	वडोदरा नगर निगम क्षेत्र	वडोदरा शहरी विकास

	हेतु अपेक्षित धन करोड़ रू0 (%)	के प्राधिकरण क्षेत्र हेतु अपेक्षित धन करोड़ रू0 (%)
जल आपूर्ति प्रणाली	271.17 (16.52)	54.23 (37.68)
सीवरेज प्रणाली	136.67 (8.32)	27.33 (18.99)
सड़क, पुल, फ्लाईओवर	124.42(7.58)	37.48 (26.04)
बरसाती पानी के नाले	326.09 (19.86)	24.88 (17.29)
कचरा निपटान	175.57 (10.69)	-
झील लिंक/झील विकास	72.00 (4.39)	-
भूखी, विश्वामित्री का दिशा-परिवर्तन (डाइवर्जन) तथा विश्वामित्री नदी मुहाने का विकास	157.00 (9.56)	-
शहरी गरीब (सामाजिक विकास)	37.85 (23.08)	-
कुल	1641.77 (100.00)	143.93(100.00)

रिपोर्ट में प्रस्तुत आंकड़ों (पृष्ठ 8-97, तालिका 28) के अनुसार स्लमों कें लिए निवेश कुल निवेश का प्रतिशत 23.08% है। लेकिन रिपोर्ट में यह प्रतिशत 35% लिखा है। तालिका 28 के अनुसार नगर निगम क्षेत्र के लिए अधिकतम पूँजी निवेश स्लम विकास पर है और उसके बाद बरसाती पानी की निकासी की व्यवस्था, जल आपूर्ति तथा झील विकास पर निवेश किया जाता है।

वडोदरा नगर निगम : *वडोदरा निवेश योजना में संशोधन किया गया है। इससे उपर्युक्त प्रत्येक सेक्टर का हिस्सा भी बदलेगा।*
नगर निगम का निवेश संशोधित करके 1897 करोड़ रूपये तथा शहरी विकास प्राधिकरण का 494 करोड़ रू0 किया गया है। ब्यौरे अध्याय 8 में है।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान : रिपोर्ट में उपर्युक्त खंड को संशोधित किया गया है।

3.3 सेक्टर-वार निवेश योजनाएं

अध्याय 8, खंड 8.2, पृष्ठ 8.98 पर हैं।
जल आपूर्ति : पृष्ठ 8.98 की तालिका के अनुसार कुल परियोजना लागत 27117 लाख रू0 अर्थात् 271.17 करोड़ रू0 है। अनुलग्नक VII में पृष्ठ 115 से 118 पर दिये गए विस्तृत् ब्यौरे के अनुसार यह 36249 लाख रू0 अर्थात् 362.49 करोड़ रू0 बैठता है। यहाँ यह जाहिर नहीं है कि दोनों आंकड़ों में इतना अंतर क्यों है जबकि उनके उपशीर्ष समान हैं। आगे अनुलग्नक VII में दिये गये योजना वर्षों के लिए दिए गए शीर्ष और उनके कॉलम समान नहीं है।

सड़कें, पुल और फ्लाईओवर : कुल लागत 32609 लाख रूपये अर्थात् 326.99 करोड़ रूपये दिखाई गई है (देखिये पृष्ठ 8-100) । लेकिन पृष्ठ 8-97 पर तालिका 28 के अनुसार यह संख्या 124.42 करोड़ रूपये है।

बरसाती पानी की निकासी : कुल लागत 12442 लाख रूपये अर्थात् 124.42 करोड़ रूपये दर्शायी गई है (देखिये पृष्ठ 8-101)। लेकिन तालिका 28, पृष्ठ 8-97 के अनुसार यह मात्रा 326.09 करोड़ रूपये है। अनुलग्नक XIII के अनुसार, वर्ष 2011 तक अपेक्षित निवेश राशि 11857.2 लाख रूपये या 118.57 करोड़ रूपये दर्शायी गई है तथा वर्ष 2014 तक के लिये यह 14641.95 लाख रूपये या 146.42 करोड़ रूपये है।

विभिन्न समूहों के साथ परामर्श बैठकों के कार्यवृत के अनुसार (पृष्ठ 159) , नगर विकास योजना में 1000 करोड़ रूपये की धन की व्यवस्था का उल्लेख है, जिसमें से 500 करोड़ रूपये भारत सरकार द्वारा, 300 करोड़ रूपये गुजरात सरकार द्वारा तथा 200 करोड़ रूपये वडोदरा नगर निगम द्वारा दिए जाएंगे। लेकिन नगर निवेश योजना (अध्याय 8, पृष्ठ 8-97) में वडोदरा के नगर निगम के लिए 1641.77 करोड़ रूपये तथा शहरी विकास प्राधिकरण के लिए 143.93 करोड़ रूपये माँगे गए हैं। यहाँ यह नहीं बताया गया है कि इन राशियों में भारत सरकार, गुजरात सरकार और वडोदरा नगर निगम का कितना-कितना हिस्सा होगा।

वडोदरा नगर निगम :
देखिए पृष्ठ 89
राष्ट्रीय शहरी कायाकल्प अभियान की घोषणा से पहले, वडोदरा नगर निगम ने शहर का त्वरित आकलन कराया था। प्रारंभिक आकलन में 1000 करोड़ रूपये के निवेश की जरूरत सामने आई। इस आकलन पर वडोदरा वासियों को नगर की स्थिति, सेवाओं, आर्थिक विकास के बारे में बताया गया।

हितबद्ध पक्षों के साथ विचार विनिमयः अनुलग्नक XVI में नागरिक सर्वे विश्लेषण है। रिपोर्ट के अनुसार समाज के विभिन्न वर्गो के 5000 निवासियों को इस सर्वे में शामिल किया गया। नगर के विभिन्न समूहों/समुदायों के चुने गए प्रतिवादियों के अनुपात के बारे में कोई सूचना नहीं है। इस सूचना से यह समझने में मदद मिलेगी की नमूना सर्वे शहर के विभिन्न हितबद्ध पक्षों के बीच किया गया या नहीं। आगे यह जाहिर नहीं होता कि नमूना आबादी शहर के विभिन्न हिस्सों को प्रतिनिधित्व करती है। प्रतिवादियों का क्षेत्रवार विस्तार चुने गए नमूनों के उचित प्रतिनिधत्व पर भी प्रकाश डालेगा।

वडोदरा नगर निगम :
कृपया पृष्ठ 138 देखें।
प्रतिवादियों की सेक्टर-वार संख्या में अफसर, बैंक, वित्तीय सस्थाएँ, स्लम, गैर सरकारी संगठन, स्वास्थ्य सेक्टर, योजनाकार, बिल्डर, विद्यार्थी, शिक्षाविद, उद्यमी और उद्योगपती, आई.टी तथा वडोदरा उत्सव के प्रतिभागी भी शामिल थे।

अनुलग्नक XVIII , पृष्ठ 157 पर विभिन्न हितबद्ध पक्षों के साथ विचार विनिमय के कार्यवृत संलग्न हैं। यहाँ 6 परामर्शी समूह बैठकों के कार्यवृत संलग्न हैं। इन सबसे पता चलता है कि ऐसा कोई परामर्शी समूह नहीं है जिसमें शहरी गरीब भी शामिल हों। शिक्षा संस्थाओं के सदस्य दो समूहों में शामिल हैं। प्रत्येक समूह में सदस्यों की संख्या और उनकी पृष्ठभूमि का कहीं उल्लेख नहीं है।

वडोदरा नगर निगम :

देखिए पृष्ठ 6-44

नमूना सर्वे में न केवल स्लम क्षेत्रों में कार्यरत गैर सरकारी संस्थाए शामिल थीं अपितु स्लमवासी भी शामिल थे जिन्होनें शहरी कायाकल्प अभियान की जनवरी के पहले सप्ताह में हुई दिनभर की गोष्ठी में परोक्ष रूप से भाग लिया था। इस गोष्ठी का आयोजन युनाइटेड वे ऑफ बड़ोदा नामक संगठन ने किया था।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान :

रिपोर्ट में किए गए संशोधनों और परिवर्धनों के फलस्वरूप वडोदरा के सभी वार्डो एवं जोनों से 1825 नमूने जमा किए गए थे।

अपेक्षित सुधार

नगर विकास योजना के विभिन्न खंड ब्यौरे-वार हैं और उनमें भावी सुधार की सिफारशें विवेकसम्मत हैं। सुधार के कतिपय क्षेत्र मूल्यांकन नोट में दर्शाए गए हैं और उनका सारांश इस प्रकार हैः

ए) राज्य, समान्तर एजेन्सियों और सेवादाता शहरी स्थानीय निकाय के बीच संस्थाई प्रबंधों पर संक्षिप्त टिप्पणी।

वडोदरा नगर निगम

देखें सीडीपी का पृष्ठ 5-34 और तालिका 25, जो यहाँ दी जाती हैः

शहरी आधार-ढांचा	**योजना व डिजाइन**	**निर्माण**	**परिचालन-अनुरक्षण**
जल-आपूर्ति	वडोदरा नगर निगम	वडोदरा नगर निगम	वडोदरा नगर निगम
सीवरेज़ (अपजल निकासी)	वडोदरा नगर निगम	वडोदरा नगर निगम	वडोदरा नगर निगम
मल-निकासी	वडोदरा नगर निगम	वडोदरा नगर निगम	वडोदरा नगर निगम
बरसाती पानी की निकासी	वडोदरा नगर निगम	वडोदरा नगर निगम	वडोदरा नगर निगम
कचरा निपटान	वडोदरा नगर निगम	वडोदरा नगर निगम	वडोदरा नगर निगम
निगम की	वडोदरा नगर निगम	वडोदरा नगर निगम	वडोदरा नगर निगम

सड़कें(फ्लाईओवरों सहित)			
पथ प्रकाश	वडोदरा नगर निगम	वडोदरा नगर निगम	वडोदरा नगर निगम
सार्वजनिक परिवहन	गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम	गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम	गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम

2. वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण क्षेत्र के बारे में निम्नलिखित सूचनाः-
   - कुल आबादी, क्षेत्र विस्तार, नक्शा
   - वर्तमान स्थिति का विश्लेषण तथा जल-आपूर्ति, अपजल निकासी, बरसाती पानी के नालों, सड़कें और पुलों जैसे सेक्टरों के लिए अपेक्षित सुधार के क्षेत्र।

वडोदरा नगर निगम
देखें खंड 4.1.3, पृष्ठ 4-33 तथा खंड 4.6,पृष्ठ 5-37।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण क्षेत्र का नक्शा प्राधिकरण के कार्यो के उल्लेख के साथ जोड़ दिया गया है। नए नक्शों में दोनों क्षेत्रों की अलग-अलग सीमाएँ साफ दिखाई गई है।

3. जल आपूर्ति, अपजल-मल निकासी, बरसाती पानी की निकासी और कचरा निपटान की वर्त्तमान बृहत योजनाओं की संक्षिप्त रूपरेखा, कार्यान्वयन व्यवस्था और वित्त पोषण तंत्रः जल आपूर्ति आदि के लिए अलग-अलग बृहत योजनाएँ अलग-अलग समयों पर तैयार की गई हैं (देखें सीडीपी के पृष्ठ4-28, 4-33,4-34 और 4-49)। निम्नलिखित के बारे में स्पष्टीकरण जरूरी हैः-
   - इन योजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति
   - इन योजनाओं में वर्त्तमान समस्याओं का कितना समाधान दिया गया है।
   - बृहत योजनाओं के लिए धन के स्रोत्र

वडोदरा नगर निगम
उपर्युक्त बिन्दुओं पर संबंधित खंडों में चर्चा की गई हैः

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

उपर्युक्त का उल्लेख रिपोर्ट में प्रत्येक सेक्टर के संबंधित खंडों में किया गया है। यथा जलआपूर्ति: खंड 4.1.2
अपजल निकासी : खंड 4.2
बरसाती पानी की निकासी : खंड 4.3
कचरा निपटान : खंड 4.5

इन खंडों को चर्चा के बाद रिपोर्ट में शामिल कर दिया गया है। रिपोर्ट में जल-भराव क्षेत्रों का अलग नक्शा दिया गया है जो सारी स्थिति साफ कर देता है। बृहत योजनाओं की सूचना अब प्रत्येक सेक्टर के बारे में व्यापक तस्वीर पेश करती है।

4. शहरी गरीबों की समस्याओं से संबंधित खासकर आधार सुविधाओं(यथा जल-आपूर्ति, जल-मल निकासी, बरसाती पानी निकासी और कचरा निपटान) के लिए एकमुश्त योजनाः यह योजना शहर की गरीब आबादी को पूरे विचार विमर्श के बाद, शामिल करने के लिए बनाई गई है।

वडोदरा नगर निगम
देखें खंड 4.10, पृष्ठ 4-27

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

इस खंड में ***सेवा*** नामक संस्था द्वारा किए गए सर्वे के परिणाम है इस विश्लेषण में सुलभ आधार सुविधाओं की स्थिति और कमियों का भली-भांति उल्लेख किया गया है। प्रत्येक सेक्टर में शहरी गरीबों के लिए अपेक्षित निवेश राशि उपघटक के रूप में दी गई है।

5. विभिन्न सेक्टरों के लिए योजनाओं का प्राथमिकता क्रम सेवाओं के प्राथमिकता क्रम के बारे में नागरिकों की राय लेकर उसे रेखाचित्र के रूप में सीडीपी के पृष्ठ 666 पर पेश किया गया है। यह रेखाचित्र क्या दर्शाता है इसके बारे में एक व्याख्या टिप्पणी होने से सारी बातें स्पष्ट हो जाएगीं।

बड़ोदरा नगर निगम

देखें खंड 6.3.1, पृष्ठ 6-42

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

नागरिकों द्वारा किए गए प्राथमिकता क्रम निर्धारण और गरीबों के लिए सुविधाओं के अलग नक्शे बाबत रेखाचित्र रिपोर्ट में संलग्न कर दिए गए हैं। प्राथमिकता क्रम में वित्त पोषण की प्राथमिकताएँ भी दी गई हैं, अतः दोनों का अच्छा तालमेल है।

6. हितबद्ध पक्षों के साथ विचार विनिमयः अनुलग्नक XVIII पृष्ठ 157 में विभिन्न पक्षों के साथ परामर्श के कार्यवृत दिए गए हैं। 6 परामर्शी समूह बैठकों के भी कार्यवृत हैं। क्या इन परामर्शी समूहों में शहरी गरीब भी शामिल थे यदि हाँ तो ब्यौरा दें।

वडोदरा नगर निगम
देखें पृष्ठ 6-44

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

रिपोर्ट में किए गए संशोधनों और परिवर्धनों के अनुसार वडोदरा के सभी वार्डों और जोनों से 1825 नमूने एकत्रित किए गए। इसमें प्रतिभागियों के सामाजिक-आर्थिक फैलाव और विस्तार का भली-भांति उल्लेख है।

7. वित्तीय पैटर्नः वर्ष 2006-2011 की पंचवर्षीय अवधि की दो पूंजी निवेश योजनाएँ दी गई है- 1) वडोदरा के नगर निगम बाबत और 2) शहरी विकास प्राधिकरण बाबत (देखें तालिका 28 और 29, पृष्ठ 8-97 और 98) । लेकिन केवल नगर निगम क्षेत्र के सेक्टरों के बारे में ही सारी सूचना का विश्लेषण है। नगर निगम क्षेत्र के लिए कुल पूंजी निवेश की जरूरत 1641.77 करोड़ रूपये तथा विकास प्राधिकरण क्षेत्र के लिए 143.93 करोड़ रूपये दिखाई गई है। विकास प्राधिकरण क्षेत्र के बारे में निवेश विश्लेषण दिया जाए।

वडोदरा नगर निगम
देखें अध्याय 8- पूंजी निवेश योजना।

पूर्व प्रस्तुत निवेश के बारे में निवेश योजना में परिर्वतन हुआ है पहले वह केवल मसौदा मात्र था और अब निवेश योजना पूरे ब्यौरों के साथ बनाई गई है, जिसे राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी द्वारा दिए गए सुझावों के बाद तैयार किया गया है। इसके फलस्वरूप समग्र निवेश योजना में बढ़ोतरी हुई है। प्रत्येक निर्माण कार्य के ब्यौरे रिपोर्ट के अनुलग्नक-VI में हैं।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

संशोधित वित्तीय योजना के अनुसार वडोदरा के नगर निगम क्षेत्र के लिए 1897 करोड़ रूपये तथा शहरी विकास प्राधिकरण क्षेत्र के लिए 494.52 करोड़ रूपये का प्रस्ताव किया गया है। संशोधित निवेश योजना खंड 8.4 (पृष्ठ 8-78 से 83)। लगाए गए करों एवं प्रभारों, उगाही क्षमता समृद्धि और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप से संबंधित चार परिदृश्यों का विभिन्न मान्यताओं के साथ विश्लेषण किया गया है जो सर्वथा उचित है।

8. रिपोर्ट में निम्नलिखित जोड़ा जाए:-
- नक्शों की सूची
- प्रयुक्त संक्षिप्तियों की सूची
- आंकड़ों के संदर्भ और स्रोत

वडोदरा नगर निगम

सभी सुझाव बिन्दु शामिल कर दिए गए हैं।

व्यापक योजना पेश करने के लिए रिपोर्ट में नए खंड जोड़े गए हैं। उनमें शामिल हैं: - पुराने शहर का विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा। विस्तृत विश्लेषणों में भी इन सेक्टरों पर रोशनी डाली गई है। हितबद्ध पक्षों से प्राप्त कुछ सुझावों को अनुलग्नक में शामिल कर दिया गया है। वडोदरा की सीडीपी में अब नगर निगम और शहरी विकास प्राधिकरण दोनों ही क्षेत्रों के बारे में तस्वीर उजागर होती है। देखिएः

सामाजिक सुविधाएँ - खंड 4-11

स्वास्थ्य सुविधाएँ - खंड 4-11.1, पृष्ठ 4-29

शिक्षा सुविधाएँ - खंड 4.11.2, पृष्ठ 4-29

पुराने शहर का पुनर्विकास (विरासत घटक) - खंड 4.12, पृष्ठ 4-30

वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण - खंड 4.13 और खंड 5.6 क्रमशः पृष्ठ 4.33 व 5.37

स्लम क्षेत्रों में सेवाओं का प्राथमिकता क्रम - खंड 6.32, पृष्ठ 6-44

हितबद्ध पक्षों से सुझाव - अनुलग्नक 9, पृष्ठ 156

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान

यह नगर विकास योजना (सीडीपी) अब नेहरू राष्ट्रीय शहरी कायाकल्प अभियान की टूलकिट 2 के दिशानिर्देशों के अनुसार है।